मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 16 फरवरी 2018

# जेएमआई में भारत में धार्मिक पहचान, बहुलवाद और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फि्लक्ट रिज़ोल्यूशन और 'इंटरफेथ फाउंडेशन इंडिया ' ने साथ मिलकर धार्मिक पहचान, बहुलवाद और शांतिपूर्ण सहयोग पर 15 फरवरी को एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें ऐतिहासिक और समकालीन समय में धार्मिक पहचान और राजनीति के बीच जटिल संबंधों पर विचार किया गया।

जेएमआई के राष्ट्रवादी और धर्मनिरपेक्ष चरित्र को रेखांकित करते हुए प्रोफेसर एस एम साजिद ने लोगों को याद दिलाया यह विश्वविद्यालय भारत के स्वतंव्रता आंदोलन की उत्पत्ति है और यह अपनी इस विरासत पर कायम रहने के प्रति हमेशा सचेत रहता है।

सम्मेलन के पहले सत्र का विषय ''दर्शनशास्त्र, धर्म और शांति'' था। इस सत्र की अध्यक्षता इंटरफेथ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के एम एम वर्मा ने की। अखिल भारतीय क्रिश्चियन काउंसिल के महासचिव जॉन दयाल ने धार्मिक पहचान के प्रासंगिक परीक्षण पर ज़ोर दिया।

डा अजय वर्मा ने बौद्ध धर्म दर्शन के अपने अध्ययन को पेश करते हुए संवाद की संस्कृतियों के निर्माण पर ज़ोर दिया।

डा तनवीर फ़ज़ल ने '' क्या इस्लाम आतंकवाद की वकालत करता है'' के अपने विश्लेषणात्मक पर्चे में कहा कि यह एक अस्थाई समस्या है और इसका विशलेषण करते समय इस्लाम धर्म के शांति की शिक्षा पर दिए गए अत्यधिक ज़ोर पर ध्यान दिया जाना चाहिए। आरिफ मुहम्मद खान ने कुरान और सुन्नत की रोशनी में मानवता के सार्वभौमिक सम्मान की अवधारणा के इस्लाम के पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी।

दूसरा सत्र विख्यात कानूनविद और लेखक प्रो ताहिर महमूद की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें ''भारतीय लोकतंत्र के भीतर बहुलवाद'' विषय पर चर्चा हुईं। इसमें प्रो ज़ोया हसन ने भारत में समकालीन चुनावी राजनीति के परिप्रेक्ष्य में धर्मनिरपेक्षता के अर्थ में आए बदलाव पर रोशनी डाली। प्रो मीनाक्षी गोपीनाथ ने शांति निर्माण और हाशिए पर धकेली गई महिलाओं के उत्थान की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

सम्मेलन के अंतिम सत्र ''छात्र संगोष्ठी'' की अध्यक्षता प्रो तसनीम मीनाई ने की। उन्होंने उम्मीद जताई कि समाज में शांति पूर्ण सह–अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए भारत की समृद्ध और विविधता भरी संस्कृति हमेशा की तरह बड़ा योगदान करती रहेगी।

**प्रो साइमा सईद**

**मीडिया कोऑर्डनैटर**